बर्षः- 05
अंकः- 286
मुरादाबाद
(Sunday)
08 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मलयेशिया दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, पीएम अनवर इब्राहिम ने किया स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मलयेशिया दौरे पर पहुंच गए हैं। पीएम अनवर इब्राहिम ने कुआलालंपुर पहुंचने पर खुद एयरपोर्ट जाकर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने एक बार फिर किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ एक ही कार में सवार होकर यात्रा की, जिससे उनकी कार डिप्लोमेसी नए सिरे से चर्चा में आ गई ।मलयेशिया दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत उनके मलयेशियाई समकक्ष पीएम अनवर इब्राहिम ने किया। प्रधानमंत्री का स्वागत करने एयरपोर्ट गए इब्राहिम

केप्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद पीएम अनवर इब्राहिम के साथ एक ही कार में तस्वीर भी साझा की। उन्होंने इस तस्वीर के साथ लिखा, भारत-मलेशिया की जनता के बीच संबंधों का जश्न मनाते हुए! प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और मैं कुआलालंपुर में आयोजित सामुदायिक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे हैं।पीएम मोदी और मलेशियाई समकक्ष इब्राहिम की इस तस्वीर को पीएम मोदी की कार डिप्लोमेसी की तरह देखा जा रहा है। इससे पहले भी प्रधानमंत्री कई राष्ट्राध्यक्षों के साथ एक ही कार में देखे जा चुके हैं। उन्होंने इससे पहले भारत दौरे पर आए व्लादिमीर पुतिन के साथ भी ऐसी ही एक तस्वीर साझा की थी।प्रधानमंत्री विगत जनवरी के दूसरे हफ्ते में जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ एक ही कार में देखे गए थे। भारत और जर्मनी के द्विपक्षीय संबंधों के अलावा इस तस्वीर को मोदी-मर्ज के व्यक्तिगत रिश्ते की गर्मजोशी की झलक की तरह भी देखा गया। तस्वीरों में दिखी रिश्ते की गर्मजोशी

इससे पहले दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जॉर्डन दौरे के दूसरे दिन क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला द्वितीय ने खुद कार चलाकर पीएम मोदी को अम्मान के जॉर्डन म्यूजियम तक पहुंचाया था। इसके अलावा पीएम मोदी के ओमान रवाना होते समय इथियोपिया के प्रधानमंत्री उन्हें एयरपोर्ट तक विदा करने गए थे। साथ तस्वीर साझा करते हुए पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीरें भी साझा कीं। पीएम मोदी ने लिखा, मैं कुआलालंपुर पहुंच गया हूं। हवाई अड्डे पर मेरे मित्र, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम की तरफ से किए गए हार्दिक स्वागत के लिए मैं अत्यंत आभारी हूं। प्रवासी भारतीयों के साथ भी संवाद करने का कार्यक्रम-प्रधानमंत्री ने अपने आगामी कार्यक्रमों और द्विपक्षीय संबंधों की तरफ संकेत करते हुए लिखा, मैं सार्थक बैठकों और चर्चाओं के साथ-साथ भारत और मलयेशिया के बीच दोस्ती के बंधन को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की आशा करता हूं।% पीएम मोदी के दौरे से जुड़े ब्योरे के मुताबिक वे मलयेशिया में प्रवासी भारतीय समुदाय के साथ भी संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद पीएम अनवर इब्राहिम के साथ एक ही कार में तस्वीर भी साझा की। इस तस्वीर को पीएम मोदी की कार डिप्लोमेसी की तरह देखा जा रहा है।

अखिलेश यादव बोले- पीछे के घर से कटी पतंग आकर गिरी है, मुझे उसमें तो चीनी मांझा लगा दिख रहा

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चाइनीज मांझे को लेकर वीडियो साझा कर चिंता जताई है। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब यूपी सरकार ने चाइनीज मांझे से मौत होने पर हत्या का मामला दर्ज करने का फैसला लिया है। यह मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है।सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को ङ्क अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- ये जो कटी पतंग पीछे के घर से आकर गिरी है, उसमें तो चीनी मांझा लगा दिख रहा है। दरअसल, यूपी सरकार ने खतरनाक चाइनीज मांझे के इस्तेमाल और बिक्री को लेकर सख्त फैसला लिया है। जिसके तहत अब चाइनीज मांझे से किसी व्यक्ति की जान जाती है, तो इसे हत्या का मामला माना जाएगा। जिम्मेदारी सीधे पुलिस और प्रशासन की होगी- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा है कि यदि प्रदेश में इस कारण कोई हादसा होता है तो इसकी जिम्मेदारी सीधे पुलिस और प्रशासन की होगी। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने चीनी मांझे के उत्पादन, बिक्री और उपयोग से जुड़े पूरे नेटवर्क को खत्म करने के निर्देश दिए हैं और इसके खिलाफ व्यापक अभियान शुरू कर दिया गया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतें सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या जैसी गंभीर घटनाएं हैं। इसलिए इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने सभी जिलों में थोक विक्रेताओं, गोदामों, परिवहन माध्यमों और ऑनलाइन सप्लायर्स की सघन जांच करने के साथ कठोर कानूनी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। सरकार का साफ लक्ष्य है कि प्रदेश में कहीं भी चीनी मांझे की बिक्री या भंडारण न होने पाए।

संक्षिप्त समाचार

आप के सांसद संजय सिंह पहुंचे वाराणसी, सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर कही बात

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि पप्पू यादव की

गिरफ्तारी निंदनीय है। पप्पू यादव पिछले कई वर्षों से अच्छा काम कर रहे हैं।आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह शनिवार को वाराणसी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पप्पू यादव की गिरफ्तारी का निंदनीय बताया।

वहीं मणिकर्णिका मामले पर खुद के खिलाफ दर्ज हुई प्राथमिकी को लेकर कहा कि पुलिस कमिश्नर को बता दीजिए कि मणिकर्निका मामले में जिस पर एफआईआर है वो बनारस में घूम रहा है,

गिरफ्तार कर लीजिए। वहीं मनोज तिवारी के बयान पर पलटवार करते हुए संजय सिंह ने कहा कि ये संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

जनता के जिंदगी की कोई कीमत नहीं है। हम गड्ढे खोदेंगे और खुले छोड़ देंगे। कहा कि ये बीजेपी और मनोज तिवारी की क्रूर मानसिकता को दर्शाता है।

हम भी तेरे दादा लगते हैं': बच्चों के बीच उमड़ा सीएम योगी का बालप्रेम, पैतृक गांव में लोगों का पूछा हालचाल

उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम किया। सुबह उन्होंने ग्रामीणों, बुजुर्गों और बच्चों से मुलाकात की। बच्चों के प्रति उनका स्नेह और सहज संवाद चर्चा में रहा, जिसने स्थानीय लोगों को भाव-विभोर कर दिया। उत्तराखंड दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अपने पैतृक गांव पंचूर में रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह उन्होंने अपने गांव के बड़े-बुजुर्गों का हालचाल जाना और बच्चों को दुलार किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बालप्रेम उमड़ आया। उन्होंने गांव के बच्चों पर अपना स्नेह बरसाया,

उनसे बातचीत की और उन्हें चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने एक बच्चे को अपनी गोद में लेकर उसे प्रेम से खिलाया। बच्चों ने भी सहज भाव से मुख्यमंत्री से बातचीत की। इस दौरान, गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ सेल्फी भी ली। सीएम योगी ने सभी का कुशलक्षेम जाना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अपने परिजनों से भी मिले, सभी का कुशलक्षेम जाना। सीएम योगी की विनम्रता, सरलता व सहजता देखकर स्थानीय लोग भी भाव-विभोर हो गए। इसके बाद अपने गांव में भ्रमण पर निकले मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों व परिचितों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को दुलार किया। भ्रमण के दौरान मार्ग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक बच्चे ने फूल भेंट किया तो उन्होंने मासूम को खाने का सामान दिया। बच्चे ने वह सामान वहां खड़े अपने दादा को दे दिया। इस पर मुख्यमंत्री ने मुस्कुराते हुए प्यार भरे शब्दों में बच्चे से कहा, 'हम भी तेरे दादा लगते हैं।' गांव में भ्रमण के दौरान योगी आदित्यनाथ ने ग्रामीणों को गांव में रहने और खेतीबाड़ी करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौड़ी गढ़वाल के यमकेश्वर में इंटर कॉलेज में नई बनी स्कूल बिल्डिंग के उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे। इससे पहले सीएम योगी सुबह अपने गांव में भ्रमण पर निकले। इस दौरान बच्चों ने उनकी गीत गाकर स्वागत किया यूपी के सीएम योगी आदित्य नाथ ने जनता इंटर कॉलेज यमकेश्वर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपराह्न करीब सवा तीन बजे यमकेश्वर स्थित हेलिपैड पर पहुंचे। यहां जन प्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। उसके बाद योगी आदित्यनाथ हेलिपैड से कुछ ही दूरी पर स्थित यमकेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे ।मंदिर में करीब 10 मिनट तक पूजा-अर्चना की। योगी आदित्यनाथ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी के साथ दोपहर 3ञ्34 बजे जनता इंटर कॉलेज यमकेश्वर पहुंचे और नवनिर्मित विद्यालय भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भव्य भवन उपलब्ध हुआ है। एक माह बाद छात्र-छात्राओं के लिए फर्नीचर सहित अन्य सभी मूलभूत जरूरतें पूरी की जाएंगी। सीएम योगी ने कल यही अपने गांव में प्रवास किया और आज शनिवार सुबह वह गांव भ्रमण पर निकले।

नहीं दिया गया था सेना को आदेश, लद्दाख में घुसपैठ रुकी नहीं, ओवैसी ने केंद्र पर लगाए गंभीर आरोप

तेलंगाना के निजामाबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कोविड के समय से ही चीन की घुसपैठ की चेतावनी दी गई, लेकिन रक्षा मंत्री ने कार्रवाई का साहस नहीं दिखाया।तेलंगाना में 11 फरवरी को होने वाले नगरपालिका और नगर निगम चुनावों के नजदीक आते ही राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। साथ ही आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति भी अपने अपने चरम पर पहुंच गई है। इसी बीच निजामाबाद में एक चुनावी सभा को संबोधित करत हुए सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि कोविड के समय से ही उन्होंने सरकार को चेतावनी दी थी कि चीन भारत में घुसपैठ कर रहा है।उनका कहना था कि एक भारतीय सेना जनरल ने बताया था कि चीन की टुकड़ियां और टैंक लद्दाख में प्रवेश कर गए थे। जनरल ने प्रधानमंत्री कार्यालय और सभी जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी दी। लेकिन इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जो ठीक लगे, वही करो। ओवैसी ने भाजपा और आरएसएस पर आरोप लगाया कि वे सेना को आदेश देने का साहस नहीं दिखा सके, ताकि चीनी सेना को पीछे हटाया जा सके।पाकिस्तान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप पर क्या बोले?- इस दौरान ओवैसी ने टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की टीम अगर भारत के खिलाफ नहीं खेलेगी, तो उन्हें यहां आने की कोई जरूरत नहीं है। ओवैसी ने सरकार और अधिकारियों पर कटाक्ष किया कि वे चुप हैं और पाकिस्तान की बात सुन रहे हैं, जबकि हमें कड़ा रुख दिखाना चाहिए। भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या कभी भी हिंदुओं से ज्यादा नहीं होगी- ओवैसी ने आगे कहा है कि मुस्लिमों की आबादी कभी भी भारत में हिंदुओं से ज्यादा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया की आबादी की उम्र बढ़ रही है, जबकि भारत की आबादी अभी युवा है। ओवैसी ने कहा कि 20 साल बाद युवा आबादी की उम्र भी बढ़ेगी। उस वक्त महंगाई कितनी होगी और कितना खर्च होगा, लेकिन वे इस बारे में नहीं सोचते, इसकी जगह वे कहते हैं कि मुस्लिमों की आबादी बढ़ रही है। मुस्लिम आबादी स्थिर हो जाएगी। मुस्लिम कभी भी भारत में हिंदुओं से ज्यादा नहीं होंगेहेमंत बिस्वा सरमा पर भी साधा निशाना- इसके साथ ही ओवैसी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर एक ऑटो चालक मुस्लिम है तो उसे कम किराया देना चाहिए जैसी बातें कही जा रही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मैं आपको दो रुपये देता हूं, क्या आप लेंगे? क्या मैं इसे आपके खाते में ट्रांसफर कर दूं?। ओवैसी ने अंत में कहा कि सीएम सरमा का ऐसा बयान देने का मकसद था कि इस तरह के भेदभाव और अपमान को लोग समझें।

संपादकीय Editorial

'Made in India' in America

US President Trump neither made the sudden decision to reduce tariffs from 50% to 18% nor announced the trade agreement with India. The Trump administration had been deliberating and brainstorming since India succeeded in securing free trade agreements with Britain and the European Union. President Trump, facing opposition both domestically and globally due to some of his policy decisions and "bullying," was becoming increasingly isolated. India-US strategic relations are not dependent on any Prime Minister or President. They are continuous and natural, as global dynamics dictate. President Trump announced the trade agreement and spoke with Prime Minister Modi over the phone. The two leaders have a "dear friend" relationship, both considering each other "powerful," but also making conflicting decisions, ultimately becoming strategic partners. Nevertheless, the India-US trade agreement has been reached. Negotiations have dragged on for a long time, the agreement has been thwarted, and there have been sharp contradictions. Finally, the agreement has been announced. However, the full draft and all the details of the agreement are not yet public, as it is yet to be signed and a joint statement from both countries is awaited. This formality will likely be completed this week, according to India's Commerce Minister, Piyush Goyal. With the trade agreement now in place, the path is now clear for the sale of "Made in India" goods and products in the market of the world's largest and most powerful economy, worth $30 trillion. India will benefit in sectors such as textiles, readymade garments, chemicals, auto, carpets, IT hardware, pharmaceuticals, gems and jewelry, petroleum products, iron and steel, plastics, aluminum, copper, leather, shoes, and furniture. The positive and fruitful nature of the trade agreement is evident from the fact that the rupee appreciated by 122 paise for the first time in eight years, and now it has fallen to 90.27 rupees per dollar. Investors in the stock market have earned ?12 lakh crore in a single day. Foreign investors and FIIs will once again increase their investments in India. We also welcome President Trump's decision and announcement, but he should refrain from making "eloquent claims." For example, he claimed that India has pledged to purchase US products worth ?500 billion (approximately ?45.15 lakh crore). This includes energy, cutting-edge technology, agriculture, coal, and other products. In fact, India's total global imports are ?721 billion. India's general budget is ?53.47 lakh crore. How can ?45 lakh crore of that amount be spent on US products alone? President Trump has also claimed that India has agreed to a "zero" tariff on American products, eliminating tariff and non-tariff barriers. If India were to impose a "zero" tariff, its companies would be devastated. The reality is that India has not agreed to a "zero" tariff. Even Prime Minister Modi's "thank you" post makes no mention of the agreement. Most sensitively, India has not opened the Indian market to wheat, corn, soybeans, and dairy products. So why is US Agriculture Secretary Brooke Rollins boasting that US agricultural products will now be sold in a huge market like India? Trump has also misrepresented the issue of Russian oil. While India has reduced its purchases of Russian oil because it is not as cheap, it still purchased 1.14 million barrels of oil per day from Russia until January 13, 2026. This quantity will remain at 800,000-900,000 barrels per day in March. However, a new chapter is beginning between India and America.

As the world becomes wary of the dollar's dominance, India will have to change its strategy.

This option was also included in Europe's Brahmastra, as approximately 20 percent of US debt is held by Europe and its companies. Overall, gold or any other currency does not appear to be capable of replacing the dollar, but it can certainly serve as a protective shield. Trump's policies have led to a surge in gold prices. Countries are increasing their gold reserves by reducing US bonds. India sold US bonds worth $51 billion. The fluctuating prices of gold and silver are currently in the headlines. According to the World Gold Council, last year, a record 3,670 tons of gold was produced globally. China and India alone consume approximately 40 percent of global gold production. However, due to skyrocketing prices, demand for gold there has declined by approximately 10-11 percent, rather than increasing. This raises the question: why has this surge in gold prices occurred despite the recent 10 percent decline in such consumption? The biggest reason for this is US President Donald Trump. Due to their credibility, the dollar and US bonds denominated in them have been the primary medium of international transactions and treasury reserves for nearly a century. The US weaponized them to drive Russia out of Ukraine. It excluded Russia and its supporters from the international system of dollar-denominated transactions and froze Russian assets held in European banks in the form of US bonds and dollars. As soon as Trump assumed power, he began using them more openly and weaponizing trade. This led the world to doubt America's intentions, and the credibility of its currency and bonds began to decline. Even during Trump's announcement of the Liberation Day tariffs, US bond and dollar prices fell, while gold prices surged. Gold has always served as a universally accepted and reliable medium of exchange during credit crises. Due to its limited quantity and universal acceptability, its prices have remained stable on average, except during times of crisis. Therefore, central banks and multinational investment companies around the world have begun reducing US bonds and dollars in their reserves and replacing them with gold. Over the past five years, China has increased its gold reserves by 351 tons, India by 218 tons, and Japan by 81 tons. India has sold US bonds worth $51 billion, reducing its reserves by 21 percent and replacing them with gold to 880 tons, representing 16 percent of its foreign exchange reserves. This is the primary reason for the continued rise in gold prices. Some market experts even say that gold prices could reach ?30,000 per gram in the next two to three years. The credibility of US bonds is built on long-term fiscal discipline, political stability, and guaranteed income. It repays the debt in dollars and also pays interest, the rate of which depends on the term of the bond and current interest rate trends. Interest rates on US bonds generally remain higher than the inflation rate. Therefore, a country or company holding US bonds in its reserves receives both security of the funds' purchasing power and some interest-based benefits. This benefit cannot be achieved by holding dollars or gold. This is why the proportion of US bonds in foreign exchange reserves remains higher than that of cash dollars and gold. Countries that have consistently profited from trade with the US accumulate US dollars year after year. These countries purchase US bonds with these dollars. Due to this cycle of trade, the US national debt has increased to 126 percent of its GDP, or one and a quarter times, of which 25 percent is held by other countries, most notably Europe, Japan, China, and India. As long as the credibility of the US dollar and bonds remains intact, the US is not particularly concerned about its growing debt mountain. Despite having already declined since the 2000 dot-com bust and the 2008 financial crisis, 57 percent of global foreign exchange reserves are still held in US bonds and dollars. Although India is proposing to establish a central bank digital currency exchange link for mutual trade among BRICS countries this year, the BRICS countries account for only 25 percent of world trade, and China accounts for the lion's share of that. According to a recent International Monetary Fund report, more than half of trade, excluding the US and Europe, is still conducted in dollars. While Russia, China, India, and South American countries have begun trading in their own currencies, the exchange of smaller currencies and the pricing of critical commodities like oil, gas, and gold are still determined in dollars. Even after transactions in other currencies, multinational companies and countries must still use dollar swaps or hedge against market fluctuations. It's certain that Trump's trade armament policies have made the world aware of its dependence on US bonds and the dollar. To avoid this, active efforts are being made to include precious metals like gold and silver and other currencies in trade and fiscal reserves, along with US bonds and the dollar. To curb US arbitrariness, there's also the option of a planned sale of US bonds. Such a sale could lead to a surge in US loan rates, leading to further arbitrariness. The government that did this may have to back down. In the Greenland dispute, the Danish pension company, Akademisker, signaled this by selling all its US bonds, forcing Trump to relent. This option was included in the much-talked-about European weapon, as Europe and its companies hold approximately 20 percent of US debt. Overall, while gold or any other currency doesn't appear to be in a position to replace the dollar, it could certainly serve as a defensive shield.

Changing Equations in the Islamic World: India Must Remain Vigilant

The security architecture of West and South Asia is moving toward a multipolar, self-reliant, and regionally driven structure. Countries that are economically strong, technologically capable, and strategically coherent will be better positioned in this new landscape. Those that rely solely on ideological slogans and symbolic alliances may attract attention, but will not achieve lasting power. Nevertheless, India must remain vigilant. Regional security is changing due to America's diminishing role. An "Islamic NATO" versus an India-UAE-Israel partnership is emerging. Economic strength and technological cooperation are the keys to the future. The security architecture of West and South Asia is currently undergoing a profound, but relatively quiet, transformation. At its core, this is driven more by geopolitical realities, economic calculations, and the growing self-reliance of regional powers than by ideology. America's diminishing security role, Europe's internally divided state, and shifts in the global balance of power have prompted regional countries to assume their own security responsibilities. For a long time, the security system in West Asia relied on American leadership and guarantees. However, since Trump's presidency, US policy has become more transactional and uncertain. This has led traditional allies to realize that American intervention in times of crisis will no longer be spontaneous. Europe, too, is unable to play an effective security role in the region due to the Ukraine war and the energy crisis. Consequently, regional powers are searching for alternative security arrangements. One trend in this changing landscape is the emerging closeness between Pakistan, Saudi Arabia, and Turkey, which is also being called "Islamic NATO." Pakistan has long maintained defense cooperation with Saudi Arabia, but in recent years, efforts have intensified to transform this relationship into a broader strategic framework. The aim is to create a security bloc, combining Saudi resources and Turkey's defense technology, that can reduce its dependence on the United States. However, this proposed axis is not as robust as its political rhetoric suggests. Pakistan's economy is in serious trouble, and its regional credibility is diminishing. Its conflict with India is not only territorial but also ideological, which its military establishment still upholds in the form of the "two-nation theory." Pakistan has been attempting to garner support in the Muslim world through this ideological framework, but in practice, it has repeatedly realized that religious solidarity in itself does not guarantee lasting strategic support. Saudi Arabia is diversifying its security needs.

It has parallel relationships with the US, China, India, and regional powers. It has significant economic interests in India. Turkey, while remaining a NATO member, is also attempting to play an independent regional role, creating contradictions within this proposed axis. Both Saudi Arabia and Turkey aspire to leadership in the Muslim world, making them more competitors than allies. Perhaps this is why it refused to join the Saudi-Pakistan military alliance. Parallel to Saudi Arabia and Pakistan, a second strategic partnership is emerging between India, the United Arab Emirates, and Israel. This partnership is based on shared security concerns and technological capabilities. This cooperation is gradually deepening in areas such as defense, intelligence, maritime security, cybersecurity, and space. The UAE's approach focuses on stability, deterrence, and economic development rather than ideological leadership. From Yemen to the Horn of Africa, the UAE has demonstrated its willingness to independently define its security interests, even if this means departing from traditional allies. Normalization with Israel has given the UAE a new position in the regional security framework. This partnership is important for India at both strategic and psychological levels. While New Delhi is wary of Pakistan's efforts to strengthen its position in the Islamic world, it also sees an opportunity to leverage its decades-long relationship with Israel to connect with an economically and strategically important country like the UAE. The recent letter of intent on defense cooperation between India and the UAE is a sign in this direction. This equation extends to the Eastern Mediterranean, where growing dialogue between India, Israel, Greece, and Cyprus is linked to concerns about Turkey's maritime aggression and the security of trade routes. Initiatives like the India-Middle East-Europe Economic Corridor also provide the economic underpinning of this strategic network. On the one hand, there is a framework that relies on ideological appeal and symbolic power, while on the other, there is an equation based on economic strength, technological cooperation, and shared security. The security architecture of West and South Asia is moving towards a multipolar, self-reliant, and regionally driven framework. Countries that are economically strong, technologically capable, and strategically coherent will be better positioned in this new landscape. Those that rely solely on ideological slogans and symbolic alliances may attract attention but will not achieve lasting power. Nevertheless, India must remain vigilant.

शिक्षक ने स्कूल प्रबंधक को धमकाया, मांगी दस लाख की रंगदारी, पुलिस कर रही जांच

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्कूल प्रबंधक ने शिक्षक पर 10 लाख रुपये की रंगदारी मांगने और महिला स्टाफ से अभद्रता करने का आरोप लगाया है। कोर्ट के आदेश पर एक नामजद और चार अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में रहने वाले स्कूल प्रबंधक ने एक शिक्षक पर दस लाख रुपये की रंगदारी मांगने और महिला स्टाफ से अभद्रता करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिक्षक और उसके चार साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सिविल लाइंस के हरथला निवासी चेतेंद्र पाल सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह निजी स्कूल के मालिक और प्रबंधक हैं।उनके स्कूल में सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में एमडीए कॉलोनी निवासी राजेश कुमार शिक्षक हैं। चेतेंद्र पाल सिंह का आरोप है कि महिला स्टाफ ने उनसे शिकायत की थी कि राजेश उनके साथ गलत व्यवहार करते हैं। चेतेंद्र पाल सिंह का कहना है कि 13 नवंबर को वह स्कूल के क्लर्क संजय ढाका के साथ बाहर निकल रहे थे।इसी दौरान राजेश अपने चार साथियों के साथ पहुंच गया और तमंचा निकालकर गोली मारने की धमकी दी। प्रबंधक का आरोप है कि राजेश ने इस दौरान यह भी बताया कि वह उनके पिता से चार लाख रुपये वसूल चुका है। इसी सदमे में उनकी मृत्यु हुई थी। प्रबंधक पर दबाव बनाया है कि अब वह उससे दस लाख रुपये दें वरना अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। इस दौरान प्रबंधक की जेब से दस हजार रुपये भी निकाल लिए और धमकी देकर चला गया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर एक नामजद और चार अज्ञात कें खिंलाफ धमकी देने, रंगदारी मांगने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। रुपयों के लेनदेन के विवाद में दो भाइयों को पीटा- मझोला के मोहल्ला आजादनगर निवासी जब्बार हुसैन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कुंदरकी के डोमघर निवासी बाबू से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि बाबू अपने बेटे सुहैल, दामाद आस पाशा, अयाज, कैफ, उसके भाई सैफ, रजा पाशा और 12 अज्ञात लोग उसके घर आ गए। जब्बार का आरोप है कि सभी ने उनके बेटे हिफजुर, रहमान को घर से खींच लिया और विरोध करने पर दोनों की जमकर पिटाई की। इस घटना में दो भाई घायल हो गए। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर सात नामजद और 12 अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

जयमाला के दौरान चली जमकर मारपीट, मच गई भगदड़, छात्रा को परेशान कर अगवा करने की धमकी दी

मुरादाबाद में छात्रा को युवकों ने परेशान किया। जब उसने विरोध किया तो उसे अगवा करने की धमकी दी गई। दूसरी तरफ शादी में मारपीट होने के बाद हंगामा मच गई। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है। सिविल लाइंस क्षेत्र के रामगंगा विहार में मिडटाउन क्लब के पास खड़ी तीन कारों में मिट्टी भरे डंपर ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीनों कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे के बाद चालक डंपर को छोड़कर भाग गया। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को कब्जे में ले लिया।रामगंगा विहार पुलिस चौकी के पास बृहस्पतिवार की रात कई होटलों में शादी समारोह चल रहा था। इसी दौरान लोगों ने अपनी कारों को आस पड़ोस में ही खड़ा कर दिया था। इसी दौरान मिट्टी भरे डंपर ने तीन कारों में टक्कर मार दी। इसके बाद डंपर चालक भाग गया।पुलिस ने डंपर को कब्जे में ले लिया। कटघर के इंद्र कॉलोनी निवासी प्रखर अग्रवाल, पार्थ और काशीपुर निवासी विरेंद्र जैनकी कार क्षतिग्रस्त हुई थी। दोस्तों ने बिरयानी खिलाकर हॉकी से पीटा मझोला थाना क्षेत्र में एक युवक पर उसके ही दो दोस्तों ने हॉकी से हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक के भाई ने उसके दोस्तों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मझोला के शाहपुर तिगरी निवासी प्रशांत कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई निशांत कुमार अपने साथी दान सहाय का मझरा निवासी विकास और कुंवरपाल के साथ खुशहालपुर रोड पर बिरयानी खाने गया था। आरोप है कि बिरयानी खाने के बाद विकास और कुंवरपाल ने निशांत के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। निशांत ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसे हॉकी से हमला कर बुरी तरह पीटा। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। शादी का वादा कर युवती का किया शोषण-कटघर थाना क्षेत्र में रहने वाली एक युवती से शादी का वादा कर युवक ने उसका शोषण किया और मोबाइल से वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी ने शादी करने से इन्कार कर दिया।र्थनापत्र में बताया कि भदौड़ा निवासी युवक ने उसे शादी का वादा कर शोषण किया है। चार फरवरी 2025 की शाम 4-30 बजे आरोपी उसके घर आया और उसके मां-बाप से कहा कि पंडित जी से शादी की तारीख पूछने के लिए जा रहा है। आरोपी युवती को भी अपने साथ ले गया। जहां उसे नशीली मिठाई खिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और वीडियो बना लिया। एसएसपी सतपाल अंतिल ने कटघर थाना प्रभारी को जांच कर रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए हैं। रुपयों के लेनदेन के विवाद में दो भाइयों को पीटा मझोला के मोहल्ला आजादनगर निवासी जब्बार हुसैन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि कुंदरकी के डोमघर निवासी बाबू से रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि बाबू अपने बेटे सुहैल, दामाद आस पाशा, अयाज, कैफ, उसके भाई सैफ, रजा पाशा और 12 अज्ञात लोग उसके घर आ गए। बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

मां ने डांटा तो नाराज छात्रा ने ट्रेन से कटकर दे दी जान, बिलखते भाई बोला- पढ़ाई में होनहार थी बहन

नजराजा गांव की छात्रा ने मां की डांट से नाराज होकर ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। बीएससी उत्तीर्ण शीतल रेलवे भर्ती की तैयारी कर रही थी। पुलिस के अनुसार घरेलू काम को लेकर मां से कहासुनी के बाद वह घर से निकली थी।छजलैट थाना क्षेत्र के नजराजा गांव निवासी पच्चीस वर्षीय छात्रा ने मां के डांटने से नाराज होकर ट्रेन से कटकर जान दे दी। वह बीएससी करने के बाद रेलवे विभाग में नौकरी के लिए तैयारी कर रही थी। बृहस्पतिवार की देर रात करीब दो बजे उसका शव पाकबड़ा थाना क्षेत्र में हकीमपुर रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए।शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। ट्रेन से कटकर जान देने वाली शीतल पाल ने पिछले साल बीएससी उत्तीर्ण की थी और अब रेलवे में भर्ती होने के लिए तैयारी कर रही थी। वह अगवानपुर स्थित लाइब्रेरी में रोजाना पढ़ाई करने जाती थी। शीतल के पिता इमरत सिंह की तीन साल पहले मृत्यु हो गई थी।परिवार में शीतल की मां सावित्री, तीन बड़ी बहन और बड़ा भाई है। वह भाई बहनों में सबसे छोटी थी। भाई पिंटू पाल ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह शीतल से मां ने घरेलू काम करने के लिए कह दिया था। शीतल ने काम करने से मना कर दिया। इसी बात पर मां ने उसे डांट दिया था। इसके बाद वह अपना बैग और बाइक लेकर घर से निकल गई थी। परिजन समझ रहे थे कि वह लाइब्रेरी चली गई है लेकिन देर शाम तक वह लाइब्रेरी से वापस नहीं आई। उसके मोबाइल पर कॉल नहीं जा रही थी। रात करीब दो बजे हकीमपुर रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर एक युवती की लाश

मिली। इसकी जानकारी मिलने पर पाकबड़ा, मझोला और छजलैट थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पता चला कि जहां लाश पड़ी है वह क्षेत्र पाकबड़ा थाने में आता है। पुलिस ने आस पड़ोस तलाश की तो युवती की बाइक खड़ी मिली गई और पास में ही बैग पड़ा था। बैग में रजिस्टर में लिखे नाम से उसकी पहचान हुई। इसकी जानकारी मिलने पर परिजन भी आ गए। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि मां के डांटने से नाराज होकर घर से निकलने की बात सामने आई है।पढ़ाई में होनहार थी मेरी बहन-भाई पिंटू पाल ने बताया कि शीतल पढ़ाई में होनहार थी और नौकरी की तैयारी कर रही थी। अगवानपुर स्थित लाइब्रेरी में पढ़ने जाया करती थी। मां सावित्री देवी ने बताया कि शीतल स्वभाव से आत्मनिर्भर थी और बाइक भी खुद चलाती थी। शीतल की तीन बड़ी बहनों की शादी हो चुकी है। शीतल की मां, भाई पिंटू, मां सावित्री और बहनों का रो रोकर बुरा हाल है।

संभल सपा में संग्राम: सांसद बर्क के पिता ने ठोंकी ताल, कहा- इकबाल से लोग नाराज, अब हम लड़ेंगे विधायक का चुनाव

संभल में सपा के दो दिग्गजों के बीच 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर फिर सियासी खींचतान शुरू हो गई है। सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क ने खुद को सपा उम्मीदवार बताते हुए चुनाव लड़ने का एलान किया। उधर विधायक इकबाल महमूद अपने बेटे सुहेल इकबाल को मैदान में उतारने की तैयारी में हैं। दोनों के बयानों से समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर टकराव बढ़ गया है।संभल के पूर्व सपा सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के निधन के बाद सांसद के चुनाव में 'हम साथ-साथ हैं' गुनगुनाने वाले संभल के सपा के दो दिग्गजों में फिर सियासी खींचतान शुरू हो गई है। डॉ. बर्क के बेटे और मौजूदा सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान ने 2027 के विधानसभा चुनाव में ताल ठोंकने का एलान अभी से कर दिया है, वह भी खुद को सपा उम्मीदवार बताते हुए।दूसरी ओर मौजूदा सपा विधायक इकबाल महमूद इस बार खुद के बजाय अपने बेटे सुहेल इकबाल को मैदान में लाने की तैयारी में हैं। दोनों अगर अपने रुख पर कायम रहे तो सपा का चुनावी रथ फिर दो दिग्गजों की खेमेबंदी के बीच आगे बढ़ेगा। ममलूकुर्रहमान बर्क ने बृहस्पतिवार को अचानक राजनीतिक बयान जारी करके सभी को चौंका दिया।मीडिया को दिए वक्तव्य में उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए संभल क्षेत्र से मैं खुद सपा से चुनाव लड़ूंगा। पार्टी अध्यक्ष (अखिलेश यादव) भी अच्छी तरह जानते हैं कि हम चुनाव लड़ेंगे। अपनी बात को मजबूती देते हुए उन्होंने कहा कि संभल से सात बार के विधायक इकबाल महमूद से जनता नाराज है। उन्होंने संभल के लिए कुछ नहीं किया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव को भी सारी जानकारी है। इस बार जनता हम पर भरोसा जता रही है, इसलिए हम चुनाव लड़ेंगे। विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल के सपा से चुनाव लड़ने की तैयारी पर ममलूकुर्रहमान बर्क ने

कहा कि जनता क्या किसी को भी चुनाव लड़ा देगी। सांसद के पिता का यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। बर्क और इकबाल महमूद के समर्थक एक-दूसरे पर कमेंट और कटाक्ष कर रहे हैं। दूसरी ओर सपा विधायक इकबाल महमूद ने कहा-हमने लोकसभा चुनाव के दौरान सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क के साथ जिम्मेदार लोगों के सामने यह वादा किया था कि हम दोनों एक दूसरे का चुनाव लड़ाएंगे। हमने लोकसभा चुनाव उनके हक में लड़ाया भी है। अब सांसद जियाउर्रहमान ही अपने पिता के सवाल का जवाब दे सकते हैं। हमारा जो वादा है, फिलहाल हम उस पर ही यकीन करते हैं। बुजुर्ग डॉ. बर्क के न रहने के बाद आई थी नरमी- डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के निधन से कुछ पहले ही सपा ने उन्हें पार्टी उम्मीदवार घोषित कर दिया था, जबकि उस वक्त इकबाल महमूद समर्थक डॉ. बर्क को ज्यादा उम्रदराज बताकर एमपी के लिए उनके (इकबाल महमूद) सपाई टिकट की वकालत कर रहे थे। डॉ. बर्क के निधन के बाद सपा की उम्मीदवारी का नए सिरे से सवाल उठा तो भी इकबाल महमूद सशक्त उम्मीदवार के रूप में पेश किए गए। उस समय जियाउर्रहमान बर्क कुंदरकी से सपा विधायक थे। लिहाजा इकबाल महमूद का दावा ज्यादा मजबूत माना जा रहा था। उस बीच डॉ. बर्क के निधन पर अफसोस जताने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के संभल आने पर इस सीट को डॉ. बर्क की मजबूत विरासत बताया गया। गमगीन माहौल के बीच भी इतनी पैरवी रही कि अखिलेश ने वहीं जियाउर्रहमान को उम्मीदवार बता दिया। हालांकि इसके बाद दोनों परिवारों को नजदीक लाने की एक अन्य पहल पर एक-दूसरे के चुनाव में विरोध न करने पर रजामंदी बनी। इसके बाद से पुरानी तल्खी की जगह नरमी का रुख बढ़ने लगा। दशकों पुरानी अदावत है दोनों परिवारों में- संभल अरसे से सपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। सपा की इस मजबूती में भी बर्क और महमूद परिवारों की खेमेबंदी पार्टी अध्यक्ष से लेकर अन्य वरिष्ठ सपाइयों के लिए हमेशा बड़ी चिंता बनी रही। सपा के गठन से लेकर लंबी और मजबूत सियासी पारी का अनुभव रखने वाले मुलायम सिंह यादव भी इन दोनों दलीय नेताओं के दिलों को नहीं मिलवा सके थे। सियासी लोग बताते हैं कि मुलायम सिंह यादव की सक्रियता के दौर में उनके दबाव में ही सिर्फ एक बार डॉ. बर्क और इकबाल महमूद एक मंच पर नजर आए थे। इसके बाद भी दोनों कभी एक-दूसरे के चुनाव में सहयोगी रुख से आगे नहीं आए। इसके उलट दोनों के बीच एक-दूसरे के मुखालिफ चुनाव लड़ने या लड़ाने के उदाहरण दर्ज हैं। दोनों परिवारों के बीच यह अदावत उस वक्त से है जब संभल के चुनावी मैदान में इकबाल महमूद के पिता नवाब महमूद चुनाव लड़ते थे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वांचल के जिलों में खोले गए फर्जी खाते, जीएसटी चोरी के 989 रुपये करोड़ डाले, उत्तराखंड में रची गई साजिश

उसने दिल्ली में सीए के पास रहकर नौकरी की थी। जसपुर में लकड़ी का बड़ा कारोबार है। यहां से देश के अलग अलग हिस्सों में लकड़ी की सप्लाई की जाती है। इसकी आड़ में आकर फर्जी फर्म बनाकर फर्जी बिल तैयार कर करोड़ों का लेनदेन दिखाकर आईटीसी क्लेम भी ले लिया गया है।

जसपुर के छह आरोपी बिजनौर पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है जबकि मुरादाबाद की एसआईटी भी एक आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है। इसके अलावा पांच और आरोपी एसआईटी ने गिरफ्तार किए हैं। जांच में सामने आया है कि जीएसटी चोरी के 989 करोड़ रुपये वाराणसी, भदोही, चंदौली, गाजीपुर, जौनपुर और मिर्जापुर के कुछ लोगों के खातों में गए हैं। टीम इन खाता धारकों के बारे में जानकारी जुटा रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि जीएसटी चोरी के मामले में एसआईटी जांच कर रही है। अब तक छह आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं अन्य की तलाश में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। बोगस फर्म मामले में जिले के एक ग्रुप की कुंडली खंगाली जा रही- राज्य कर विभाग के अधिकारी स्क्रैप के कारोबार से जुड़े जिले के एक ग्रुप की बोगस फर्मों की कुंडली खंगालने में जुट गए हैं। इस मामले में दिल्ली के अधिकारियों से रिकार्ड मांगे गए हैं। पता चला है कि यह ग्रुप फर्जी कागजात के सहारे पंजाब में स्क्रैप की सप्लाई कराता है। राज्य कर विभाग के मोबाइल दस्ते की टीम ने 29 जनवरी को हाईवे पर चेकिंग अभियान के तहत मूंढापांडे में आयरन स्क्रैप की चार, रामपुर में एक और बिजनौर में दो गाड़ियों को रोक लिया था। जांच के दौरान ई वे बिल संदिग्ध पाए गए। पूछताछ के दौरान चालकों ने बताया कि आयरन स्क्रैप की गाड़ियां पंजाब के गोविंदगढ़ में जा रही हैं। राज्य कर अधिकारियों को आशंका है कि स्क्रैप का माल बोगस फर्मों के गिरोह से जुड़ा है। इसी प्रकार 30 जनवरी को भी एक स्क्रैप लदी गाड़ी पकड़ी गई थी। राज्य कर अधिकारियों ने स्क्रैप की गाड़ियों के ई वे बिल के साथ पंजीकरण के मोबाइल नंबर को चेक किया। जांच के दौरान पता चला जिले का एक ग्रुप सबसे अधिक स्क्रैप लदे वाहनों को पंजाब भेज रहा है। इस ग्रुप ने दिल्ली में पांच से अधिक फर्मों का पंजीयन कराया है। राज्य कर अधिकारियों ने दिल्ली के अधिकारियों से बातचीत कर दो ग्रुपों का रिकार्ड मांगा है। रिकार्ड से मिलान से पता चल सकेगा कि इस ग्रुप ने दिल्ली और यूपी के अलावा किन राज्यों से पंजीयन कराया है। इस बारे में पूछने पर अपर आयुक्त ग्रेड -2 आरए सेठ ने बताया कि स्क्रैप गिरोह की जांच चल रही है। जांच में 335 बोगस फर्मों में पकड़ी गई थी जीएसटी चोरी- राज्य कर विभाग की जांच के दौरान एके इंटरप्राइजेज से जुड़ी 335 बोगस फर्मों से जीएसटी चोरी का मामला सामने आया था। इस मामले में एसआईटी आधा दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है लेकिन मास्टर माइंड शाहिद अभी पकड़ा नहीं गया है। एसआईटी ने मेरठ जिले के शास्त्री नगर निवासी इखलाक मलिक और उसके साथी शाहजहांपुर जिले के चमकनी गरिपुरा निवासी इत्तेफात आलम उर्फ दानिश को गिरफ्तार कर जीएसटी चोरी का खुलासा किया था। गिरफ्तार आरोपी इखलाक की डायरी से स्क्रैप से जुड़ी 535 फर्मों के नाम और नंबर मिले थे। राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड -1 अशोक कुमार सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने फर्मों की जांच कराई तो एके इंटरप्राइजेज से जुड़ी सिर्फ 335 फर्में पाई गईं। इन फर्मों के माध्यम से आरोपियों ने 5478.35 करोड़ का टर्नओवर करना प्रकाश में आया था। साथ ही 989.13 करोड़ की जीएसटी चोरी पकड़ी गई। जीएसटी चोरी का दायरा बढ़ने पर शासन ने जांच एसआईटी को सौंप दी थी। अपर आयुक्त ग्रेड -2 आरए सेठ ने बताया था कि एके ग्रुप ने देश के कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक 22 राज्यों में बोगस फर्मों का पंजीयन कराया था। इसमें सबसे अधिक दिल्ली और गुजरात की बोगस फर्में शामिल हैं। जांच के बाद राज्य कर विभाग ने एसआईटी को मोबाइल नंबर, ई मेल आईडी सबूत भी दिए थे। एसआईटी को गिरफ्तार आरोपी इखलाक मलिक ने बताया था कि उसका गुरु मेरठ का रहने वाला शाहिद है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली में मस्जिद पर चला बुलडोजर , अवैध निर्माण ध्वस्त, हाईकोर्ट के आदेश पर ऐक्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले के भोजीपुरा थाना क्षेत्र के पिपरिया गांव में शनिवार को पुलिस-प्रशासन ने ग्राम समाज की करीब 300 वर्ग गज जमीन में बने धार्मिक स्थल का ध्वस्तीकरण कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में यह कदम उठाया गया। सुबह होते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आ गया। दो बुलडोजरों की मदद से निर्माण को गिराने की प्रक्रिया शुरू की गई। इस दौरान इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि संबंधित पक्ष को कई बार नोटिस जारी किए गए थे। तय सीमा के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बुलडोजर चलाने का फैसला लिया। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि इस भूमि को लेकर कानूनी विवाद साल 2008 से ही चल रहा था। सबसे पहले तहसीलदार कोर्ट ने इस निर्माण को अवैध मानते हुए बेदखली के आदेश पारित किए थे। इसके बाद दूसरा पक्ष राहत के लिए सिविल कोर्ट गया, लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली और उनका मुकदमा खारिज कर दिया गया। जैसे ही अदालत की बाधाएं दूर हुईं, प्रशासन ने भारी पुलिस बल और पीएसी की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी। करीब 300 वर्ग गज में फैली इस मस्जिद को गिराने के दौरान गांव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। कई थानों की फोर्स और पीएसी के जवानों ने पूरे इलाके को घेरे रखा ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सरकारी जमीनों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

ग्रामीण की नृशंस हत्या गन्ने के खेत में पड़ा मिला खून से लथपथ शव

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। शेरगढ़ थाना क्षेत्र में एक ग्रामीण की हत्या कर दी गई। उसका शव शनिवार सुबह गन्ने के खेत में पड़ा मिला तो गांव में सनसनी फैल गई। किसी ने धारदार हथियार से वार कर वारदात को अंजाम दिया है। सूचना पाकर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। गहनता से जांच पड़ताल की। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक शेरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव डूंगरपुर देहात निवासी 58 वर्षीय रामदास शुक्रवार दोपहर को अपने खेत पर बरसीम (पशुओं का चारा) काटने गए थे। जब वह शाम तक घर वापस नहीं आए तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने ग्रामीणों के साथ उनकी खोजबीन शुरू की। पुलिस को भी सूचना दी, लेकिन देर रात तक रामदास का कोई पता नहीं चल सका। सिर और पैरों पर किए गए थे धारदार हथियार से वार शनिवार सुबह परिजनों ने दोबारा उनकी तलाश शुरू की। इस बीच रामदास का शव गन्ने के खेत में खून से लथपथ मिला। शव की हालत देख लोग सन्न रह गए। ग्रामीणों के मुताबिक रामदास के सिर और पैरों पर धारदार हथियार से वार किए गए थे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। परिजनों व ग्रामीणों से जानकारी की, लेकिन हत्या के कारण का पता नहीं चला। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार दोपहर रामदास ने अपने खेत से बरसीम काटी थी। उनके साथ पत्नी भी थी। बाद में वह बकरियां चराने चली गई। रामदास बोरे में बरसीम भरकर गांव की तरफ चल गए, लेकिन घर नहीं पहुंचे। शनिवार सुबह जिस खेत में उनका शव मिला, उससे करीब 70 मीटर दूरी पर बरसीम से भरा बोरा पड़ा मिला। रामदास की हत्या से उनकी पत्नी व परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ट्रेन की चपेट में आने से कटा युवक का पैर, हालत नाजुक...लखनऊ रेफर; यहां पहले भी हो चुकी कई घटनाएं

सीतापुर में ट्रेन की चपेट में आने से युवक का पैर कट गया। नाजुक हालत देखते हुए उसे लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। जहां हादसा हुआ, उस क्षेत्र में पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद जिम्मेदार उदासीन बने हुए हैं। यूपी के सीतापुर में ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक का पैर कट गया। उसे गंभीर हालत में आनन-फानन नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। वहां से मेडिकल कॉलेज, लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया है।घटना नैमिषारण्य थाना इलाके के लक्ष्मणपुर गांव की है। गांव से रेलवे लाइन निकली है। गांव निवासी लल्लू (51) किसी काम से जा रहा था। रेलवे ट्रैक पर सीतापुर की ओर से आ रही मालगाड़ी की चपेट में आ गया। इससे गंभीर रूप से घायल हो गया। सिर में चोट लगने के साथ उसका पैर भी कट गया।स्थानीय लोग उसे नैमिषारण्य स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक जयप्रकाश पटेल ने बताया कि हालत नाजुक देखते हुए घायल को प्राथमिक उपचार देने के उपरांत बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज, लखनऊ भेजा गया है। बताते चलें कि इससे पहले भी इस क्षेत्र में ट्रेन से कटने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। हाल ही में स्कूल जाते समय छात्रा भी ट्रेन की चपेट में आ गई थी। इससे उसके दोनों पैर कट गए थे।

युवाओं के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रीय एकता को मिलेगा नया आयाम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। माय भारत बरेली के तत्वावधान में एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय में छह दिवसीय कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, राज्य महिला आयोग की सदस्य पुष्पा पांडेय, राज्य निदेशक माय भारत अनिल कुमार सिंह, उप निदेशक पुष्पा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया। उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने प्रतिदिन होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें युवाओं के लिए शैक्षणिक भ्रमण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन, संवाद सत्र एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विशिष्ट अतिथि मेयर डॉ. उमेश गौतम ने आयोजकों से अपेक्षा व्यक्त की कि कश्मीर से आए इन युवाओं को आगामी पांच दिनों में बरेली के प्रमुख बाजारों, राष्ट्रीय महत्व के स्थलों, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों का भ्रमण अवश्य कराया जाए, ताकि वे बरेली की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवनशैली को समझ सकें। राज्य निदेशक अनिल कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने कश्मीर से आए युवाओं से संवाद किया और उनके विचारों एवं अनुभवों को जाना। यहां पूर्व जेलर मो. अकरम, प्रो. चारु मेहरोत्रा, अशोक कुमार सिंह, शिखर रस्तोगी, मयंक भदौरिया, प्रो. राकेश मौर्य, डॉ. सुमित श्रीवास्तव, डॉ. ज्योति पांडेय, डॉ. छवि शर्मा, डॉ. अनिल बिष्ट, अजय राज शर्मा आदि रहे।

ढाबे में चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना भोजीपुरा क्षेत्र में पुलिस ने दिल्ली-लखनऊ हाईवे स्थित एक ढाबे पर छापेमारी कर देह व्यापार के बड़े गिरोह का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान 4 पुरुष और 3 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया, जबकि ढाबा मालिक मौके से फरार हो गया।पुलिस के अनुसार,लंबे समय से ढाबे में देह व्यापार की शिकायतें मिल रही थीं। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ढाबे पर दबिश दी,जहां अलग-अलग कमरों में अनैतिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। छापेमारी के दौरान आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए लोगों को हिरासत में लिया गया।पूछताछ में सामने आया कि ग्राहक हाईवे किनारे से लाकर ढाबे के कमरों में सौदे तय किए जाते थे।प्रत्येक ग्राहक से 500 से 2000 रुपये तक वसूले जाते थे।इस रकम में ढाबा संचालक और अन्य सहयोगी शामिल रहते थे। पुलिस ने मौके से एक स्कूटी, एक मोटर साइकिल, सात मोबाइल फोन,नकदी और कॉस्मेटिक का सामान बरामद किया है। साथ ही इस्तेमाल किए गए और नए आपत्तिजनक सामान भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उनसे पूछताछ जारी है। फरार ढाबा मालिक की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएम की अध्यक्षता में तहसील नवाबगंज में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में तहसील नवाबगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता रामपाल पुत्र शंकर लाल निवासी ग्राम जिगनिया भगवन्तपुर तहसील नवाबगंज ने प्रार्थना पत्र दिया कि उनके घर पर विद्युत मीटर लगा था जो कि कई माह से खराब पड़ा हुआ है जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता विद्युत को जांच कर शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश दिये। एक अन्य शिकायतकर्ता डा0 सोफिया हरुन पत्नी डा0 मोहम्मद अली अंसारी निवासी मोहल्ला नई बस्ती पश्चिमी तहसील नवाबगंज ने प्रार्थना पत्र दिया कि पूर्व से चल रहें चक मार्ग को निजी औद्योगिक उपयोग हेतु जबरन उनके खेत में चौड़ीकारण किया जा रहा अत: इसे रोका जाये, जिस पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी नवाबगंज को उक्त प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी नवाबगंज को निर्देश दिए कि समाधान दिवस में अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि किसी सरकारी अथवा निजी भूमि पर अवैध कब्जा है तो उसे शीघ्र कब्जामुक्त कराया जाए। उन्होने समस्त उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जो भी शिकायतें आज के तहसील दिवस में आई हैं उनका शत प्रतिशत व समयान्तर्गत निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यालयों में प्रात: 10 से 12 बजे तक जनसुनवाई करें तथा जनता द्वारा लाई जा रही समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करना सुनिश्चित करें। समाधान दिवस में निर्देश दिये गए कि भू माफियाओं के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही की जाए तथा आई.जी.आर.एस में आ रही शिकायतों का निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए। जिस शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण किया जाए उससे दूरभाष पर वार्ता कर यह भी पूछा जाए कि वह इस शिकायत के निस्तारण से सन्तुष्ट है या नही। इस अवसर जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी नवाबगंज उदित पवार सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ठग ने आईपीएस अधिकारी बताकर महिला को धमकाया, 15.30 लाख रुपये ठगे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। साइबर ठग ने खुद को दिल्ली पुलिस का आईपीएस अधिकारी बताकर बरेली की बुजुर्ग महिला से 15.30 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठग कई महीने तक धमकाकर रकम ट्रांसफर कराते रहे। ठगी का अहसास होने पर वृद्धा ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इज्जतनगर के गायत्रीनगर की रहने वाली सुनीता सिंह ने साइबर थाने के इंस्पेक्टर नीरज सिंह को बताया कि उनके पति सेना में थे। उनका निधन हो चुका है। वह अकेली ही घर में रहती हैं। उनकी आयु साठ साल से ज्यादा है। 31 जुलाई 2025 को उनके पास एक व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को दिल्ली पुलिस का आईपीएस अधिकारी सुनील कुमार गौतम बताया। उसने सुनीता से कहा कि उनके खाते का इस्तेमाल धोखाधड़ी व मनी लॉड्रिंग के लिए किया गया है। साइबर थाने के इंस्पेक्टर नीरज सिंह ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया है। हालांकि, पीड़िता को ही काफी समय बाद ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने शिकायत की। फोन नंबर और खातों के आधार पर जांच की जा रही है।

बरेली में 752 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बारादरी पुलिस और एएनटीएफ की संयुक्त टीम ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है।आरोपी के कब्जे से 752 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 19 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा एक मल्टीमीडिया मोबाइल फोन और 2000 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार,मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मिली मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने पीलिभीत बाईपास डोहरा मोड़ के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले कुवैत में ड्राइविंग का काम करता था और कुछ समय पहले ही भारत लौटा था। हाल ही में वह झारखंड के डाल्टनगंज जिला कारागार में बंद अपने भाई से मिलने गया था,जहां उसकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई। उसी व्यक्ति के माध्यम से उसे अफीम उपलब्ध कराई गई थी, जिसे वह बेचने के लिए बरेली लाया था।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और आरोपी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है।

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

हाईकोर्ट का आदेश- सिपाहियों की वरिष्ठता पर दो माह में निर्णय ले सरकार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस भर्ती-2015 बैच के 172 सिपाहियों के वरिष्ठता विवाद पर अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक लखनऊ को दो माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है।इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस भर्ती-2015 बैच के 172 सिपाहियों के वरिष्ठता विवाद पर अपर पुलिस महानिदेशक कार्मिक लखनऊ को दो माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति विकास बुधवार ने विवेक कुमार त्रिपाठी और 71 अन्य की याचिका पर दिया है। गोरखपुर निवासी याची सिपाहियों का कहना है कि उन्होंने दो दिसंबर 2015 को पुलिस लाइन में नियुक्ति प्रशिक्षण कोर्स के लिए रिपोर्ट किया था। हालांकि, विभाग के रिकॉर्ड में उनकी नियुक्ति तिथि 28 दिसंबर 2015 दर्ज कर दी गई। इससे वे अपने बैच के अन्य कर्मियों से जूनियर हो गए और प्रमोशन पर संकट खड़ा हो गया था। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि गोरखपुर के एसपी (साउथ) ने अप्रैल 2023 में ही जांच रिपोर्ट में विभाग की गलती स्वीकारी थी। इसके बावजूद अब तक रिकॉर्ड में सुधार नहीं किया।

फुटवियर शोरूम में 11 लाख की चोरी का खुलासा, कर्मचारी निकला मास्टरमाइंड; चार गिरफ्तार

आगरा के नाई की मंडी थाना क्षेत्र स्थित फुटवियर शोरूम से हुई चोरी में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चोरी करने वाला कोई और नहीं बल्कि शोरूम का कर्मचारी ही निकला। अपने तीन साथियों के साथ उसने इस वारदात को अंजाम दिया था। आगरा के नाई की मंडी थाना पुलिस ने फुटवियर शोरूम से हुई 11 लाख रुपये की बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चोरी की यह वारदात 31 जनवरी की रात चिराग फुटवियर में हुई थी। आरोपियों ने छत का गेट तोड़कर शोरूम में प्रवेश किया और गल्ले से 11 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए। वारदात के दौरान पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी कैमरे भी तोड़े गए।पुलिस जांच में दुकान का कर्मचारी राहुल चोरी का मास्टरमाइंड निकला। पुलिस ने 6 फरवरी को पंचकुइयां कब्रिस्तान के पास से आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 6.57 लाख रुपये नकद, चोरी में प्रयुक्त दो बाइक और लोहे का सब्बल बरामद किया गया है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

नाबालिग लड़की का किया अपहरण, फिर फर्जी आधार कार्ड से बालिग और विवाहित बताकर ढ्ङ्क्स्न सेंटर में निकलवाए अंडाणु

प्रयागराज से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां किशोरी को फर्जी आधार कार्ड से बालिग और विवाहित बताकर ढ्ङ्क्स्न सेंटर में अंडाणु निकलवा दिए। पुलिस ने मामला का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आईवीएफ की पंजीकृत एजेंट कल्पना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।प्रयागराज के फाफामऊ थाना इलाके की 15 वर्षीय किशोरी को आईवीएफ सेंटर ले जाकर अंडाणु निकलवाने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनाकर उसे बालिग और विवाहिता बताया गया और फिर हलफनामा देकर सेंटर में गैरकानूनी ढंग से ओवा एक्सट्रैक्शन की प्रक्रिया कराई गई। फाफामऊ पुलिस ने किशोरी की मां की तहरीर पर आईवीएफ की पंजीकृत एजेंट कल्पना समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि महिला ने शिकायत की थी कि उसकी बेटी का 15 जनवरी को अपहरण कर सिविल लाइंस के एक आईवीएफ सेंटर में ऑपरेशन करवाकर उसके अंडाणु निकाले गए। शिकायत पर शुक्रवार को फाफामऊ पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। पुलिस जांच में पता चला कि मां ने ही तीन फरवरी को अपनी बेटी को वन स्टॉप सेंटर में भर्ती कराया था। किशोरी का बयान दर्ज हुआ तो उसने अपनी मां पर परेशान करने और घर से बाहर निकालने का आरोप लगाया। कहा कि वह अपनी एक सहेली के साथ आईवीएफ सेंटर पर गई थी। इसके एवज में उसे 10 हजार रुपये मिले थे। गहनता से जांच करने पर पता चला कि पीड़िता की करेली निवासी सहेली व उसकी मां रिंकी ने रुपये का लालच देकर उसे आईवीएफ डोनर बनने के लिए तैयार किया था। इसके बाद उसे सिविल लाइंस कोपर रोड निवासी सीमा भारतीया के पास ले जाया गया। किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उसे बालिग व विवाहिता दिखाया- सीमा ने अपने बेटे हिमांशु भारतीया से किशोरी का फर्जी आधार कार्ड बनवाकर उसे बालिग व विवाहिता दिखा दिया। इस पूरी प्रक्रिया के बाद सीमा फर्जी आधार कार्ड के साथ किशोरी को आईवीएफ सेंटर की पंजीकृत एजेंट शाहगंज निवासी कल्पना भारतीया के पास ले गई। वहां फर्जी कंसल्ट एफिडेविट तैयार किया गया। इसके बाद 20 जनवरी को आईवीएफ सेंटर में फर्जी कागजात के आधार पर अंडाणु निकालने की प्रक्रिया की गई। पुलिस जांच में पता चला कि सीमा महिला एजेंट कल्पना भारतीया की रिश्ते में मौसी लगती है। 30 से 35 हजार रुपये तक कमीशन- पुलिस जांच में सामने आया कि एक ग्राहक के लिए तकरीबन 30 से 35 हजार रुपये तक का कमीशन दिया जाता है। कमीशन के चक्कर में ही गोरखधंधा चल रहा था। इसमें और भी लोगों की भूमिका सामने आ सकती है। आईवीएफ सेंटर के अन्य एजेंट के अलावा और लोगों की भूमिका की भी पुलिस जांच कर रही है। डीसीपी ने बताया कि सभी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा से सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदम

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी /विदिशा आज बीना रिफाइनरी (BPCL) द्वारा आयोजित मेधावी विद्यार्थी छात्रवृत्ति एवं प्रशंसा पत्र वितरण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भविष्य के कर्णधारों से संवाद किया। विद्यार्थियों के चेहरे पर यह मुस्कान और आगे बढ़ने का जज्बा ही विकसित भारत की असली शक्ति है। हमारी मेधावी बेटियों और बेटों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ। इस अवसर पर श्री संतोष सिंह जी, श्री शशि कैथोरिया जी , श्री नवीन पालीवाल जी , श्रीमती जयोति दुबे जी , श्री निकेश गुप्ता जी , श्री विजय गौतम जी , श्री वैभव दुबे जी , श्री शानू चंदेल जी , श्री शैलेश शाह जी , श्री सचिन पटेल जी , श्री गोविंद पटेल जी , श्रीमती मंजू बुंदेला जी , सहित हमारे देवतुल्य कार्यकर्ता, बीना रिफाइनरी के समस्त अधिकारीगण, शिक्षक एवं प्रिय छात्र उपस्थित रहे।

शराब के ठेके पर अचानक टूट पड़ी महिलाओं और पुरुषों की भीड़, बुलानी पड़ गई पुलिस

मथुरा के बलदेव क्षेत्र के गांव दघेंटा में कंपोजिट शराब के ठेके पर अचानक ही महिलाओं और पुरुषों की भीड़ टूट पड़ी। ये देख ठेका कर्मचारियों के होश उड़ गए। आक्रोश को देखते हुए पुलिस बुला ली गई। मथुरा के बलदेव क्षेत्र के गांव दघेंटा में कंपोजिट शराब के ठेके को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। देशी शराब, बीयर और अंग्रेजी शराब की बिक्री वाले इस ठेके के गांव की बस्ती के पास होने तथा बालिकाओं व महिलाओं के आने-जाने के दौरान अभद्रता की घटनाओं से नाराज सैकड़ों महिलाओं, युवतियों और पुरुषों ने आपत्ति जताते हुए विरोध प्रदर्शन किया।ग्रामीणों का ये है कहना- ग्रामीणों का कहना है कि ठेके के आसपास असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। आने-जाने वाली छात्राओं, महिलाओं और बच्चियों के साथ अभद्रता व बदतमीजी की घटनाएं हो चुकी हैं। शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई न होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने ठेका हटवाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं, बच्चियां और पुरुष शामिल रहे।ठेका हटाने की मांग- प्रदर्शन में स्थानीय निवासी अतर सिंह, डीलर गिरवर सिंह, गुड्डू सिंह, श्वेता सिंह, ओमवीर, गिर्राज प्रधान, कंजा, जेनी, पप्पू, भातू, परशुराम, संजय, शीला, सुनीता, गीता, सीमा, नीरज, रूपेश, नीतू, सुमन सहित अनेक ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर प्रशासन से ठेका हटाने की मांग की पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझाया- थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे और ठेके को गांव से दूर स्थानांतरित करने की मांग करते रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक ठेका यहां से नहीं हटेगा, आंदोलन जारी रहेगा। महिलाओं ने ये कहा- महिलाओं ने आरोप लगाया कि ठेकेदार के समर्थन में उतरे कुछ लोगों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए जाटव समाज के लोगों को गालियां दीं। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब मजदूर और दिहाड़ी मजदूर शराब की लत में बर्बाद हो रहे हैं। घरों से पैसे निकालकर शराब पीने की आदत पड़ गई है, जिससे परिवारों में रोजाना झगड़े और कलह हो रही है।

सांसद बर्क के पिता को उदयपुर फाइल्स बनाने वाली कंपनी ने भेजा नोटिस, कल्कि संभल फिल्म का किया था विरोध

कल्कि संभल फिल्म का विरोध करने पर सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क को फिल्म निर्माता अमित जानी की कंपनी ने लीगल नोटिस भेजा है। इसमें शूटिंग रोकने की धमकी देकर डर का माहौल बनाने की बात कही गई है। कल्कि संभल फिल्म का विरोध कर रहे सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क को अमित जानी की कंपनी जानी फायरफॉक्स मीडिया की ओर से लीगल नोटिस भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि यदि सपा सांसद के पिता अपना बयान वापस नहीं लेते हैं और माफी नहीं मांगते हैं तो कंपनी कानूनी कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगी।सपा सांसद के पिता पर आरोप है कि वह संभल में कल्कि संभल फिल्म की शूटिंग नहीं करने देने की धमकी दे रहे हैं। कल्कि संभल फिल्म 1978 और 24 नवंबर 2024 को हुए बवाल को लेकर बनाई जा रही है। इस फिल्म के निर्माता उदयपुर फाइल फिल्म बनाने वाले फिल्म निर्माता अमित जानी हैं।इस फिल्म में अब्बाजान और भाईजान नाम के दो किरदार हैं। इन दोनों किरदार पर ही यह पूरी फिल्म बनाई जाएगी। यह दोनों किरदार पूर्व व वर्तमान जनप्रतिनिधियों से जोड़कर देखे जा रहे हैं। इस फिल्म को लेकर बुधवार को सपा सांसद के पिता ने कहा था कि इस तरह की फिल्म माहौल खराब करने वाली हैं। तथ्यहीन फिल्म बनाई जा रही है। इसका विरोध किया जाएगा। इसी क्रम में अब फिल्म निर्माता कंपनी ने नोटिस जारी किया है। इसमें कहा है कि सपा सांसद के पिता ने डराने-धमकाने वाले बयान जारी किए हैं। गैरकानूनी तरीके से शूटिंग रोकने की चेतावनी दी है। इससे फिल्म यूनिट में भय और असुरक्षा का माहौल है। नोटिस में कहा है कि 1978 के संभल दंगे एक ऐतिहासिक और सार्वजनिक रिकॉर्ड का विषय हैं और उस पर फिल्म बनाना भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा है। सभी वैधानिक अनुमति और लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। कंपनी ने सार्वजनिक माफी मांगने के लिए 15 दिन का समय दिया है।

संक्षिप्त समाचार

सुसाइड नोट में टीना को क्यों लिखा मम्मी? क्या वो है चेतन की तीसरी बीवी; गाजियाबाद सुसाइड में नया अपडेट

गाजियाबाद में जिस फ्लैट की बालकनी से कूदकर तीन बहनों ने खुदकुशी की थी, उस फ्लैट में मिले सुसाइड नोट ने मामले को एक अलग ही मोड़ दे दिया। नोट में टीना को मम्मी संबोधित किया गया है। इस एक शब्द ने पारिवारिक रिश्तों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टीना चेतन की तीसरी पत्नी है या साली। गाजियाबाद की भारत सिटी सोसायटी में फ्लैट के जिस कमरे से तीनों किशोरियों ने छलांग लगाई, वहां मिली डायरी में आठ पेज का सुसाइड नोट किसने लिखा, इस बात से पर्दा अभी नहीं उठ सका है। हालांकि, पुलिस की शुरुआती जांच मंझली बहन प्राची की ओर इशारा कर रही है। परिवार के लोगों ने पुलिस पूछताछ में उसी की लिखावट होने की बात कही है। इसकी पुष्टि के लिए पुलिस ने सुसाइड नोट व अन्य दस्तावेजों को विशेषज्ञों के पास भेजा है। पिछले कुछ समय से तीनों बहनें स्कूल भले नहीं जा रही थीं, लेकिन परिवार के अनुसार उन्होंने शुरुआती शिक्षा प्राप्त कर ली थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि इंटरनेट और वीडियो की मदद से तीनों कोरियन व अंग्रेजी भाषा सीख रही थीं। इससे यह बात साफ है कि वे पढ़ना-लिखना जानती थीं।पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब परिजनों के सामने सुसाइड नोट रखकर लिखावट के बारे में पूछा गया तो मौसी टीना ने उसे प्राची की बताया। पुलिस जांच में यह बात भी सामने आ चुकी है कि प्राची तीनों बहनों में लीडर थी। वही तीनों के लिए फैसले लेती थी। फिर चाहे वो खाना खाने का हो या कपड़े खरीदने और एक साथ बाथरूम जाने का। निशिका और पाखी उसकी हर बात मानते थे। इस कारण पुलिस का शक पुख्ता हो रहा है। इसकी पुष्टि के लिए अधिकारियों ने घर में मिली निशिका और प्राची की पुरानी नोटबुक को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक लैब भेजा है। जिससे पता लगाया जा सके कि सुसाइड नोट की लिखावट किसकी है।सुसाइड नोट में %टीना% मम्मी क्यों लिखा? फ्लैट पर मिले सुसाइड नोट ने मामले को एक अलग ही मोड़ दे दिया। नोट में %टीना% को मम्मी संबोधित किया गया है। इस एक शब्द ने पारिवारिक रिश्तों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टीना चेतन की तीसरी पत्नी है या साली। सूत्रों के अनुसार, हादसे के दूसरे दिन यह आशंका जताई गई कि चेतन और टीना की शादी करीब पांच साल पहले हुई थी। हालांकि, हस्पतिवार को पुलिस पूछताछ में चेतन ने टीना को अपनी साली और चौथी बेटी देबू को हिना की बेटी बताया था।सोसायटी में चेतन का दूसरा फ्लैट होने की जानकारी आई सामने भारत सिटी सोसायटी में चेतन का दूसरा फ्लैट होने की बात भी सामने आई है। आर्थिक तंगी के चलते बच्चों की पढ़ाई छुड़वाने और लाखों का कर्ज होने की बातों के बीच आई इस जानकारी ने पुलिस को भी सकते में डाल दिया है।निशिका ने चौथी, प्राची ने तीसरी और पाखी ने दूसरी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। इसके बाद तीनों ने स्कूल जाना छोड़ दिया। पूछताछ में पिता ने आर्थिक तंगी को इसकी वजह बताया। दो पत्नियां, किराये का फ्लैट और पूरे परिवार का खर्च उठाने वाले पिता के पास क्या बेटियों की क्षिा का भी विकल्प नहीं था?प्रभावित बच्चों के आने की बात से इन्कार- गाजियाबद के लोनी दो नंबर 50 बेड के अस्पताल में तैनात चिकित्सकों ने कोरियन गेम से प्रभावित बच्चों के आने की बात से इन्कार किया है। खुदकुशी करने वाली बहनों के पिता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि हादसे के बाद वह बेटियों को लेकर लोनी के अस्पताल गए थे। वहां डॉक्टरों ने कहा कि आए दिन ऐसे केस आते हैं। तुम्हारा केस नया नहीं है। वहीं, अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल अधिकारी डॉ. सावेज खान ने बताया कि अस्पताल में अब तक ऐसा कोई केस नहीं आया है। घटना वाली रात किशोरी के पिता, मां और पुलिसकर्मी मौजूद थे। उस दौरान इमरजेंसी में डॉ. अभिषेक थे। किसी भी डॉक्टर ने ऐसे मरीजों के आने की कोई जानकारी नहीं दी है।

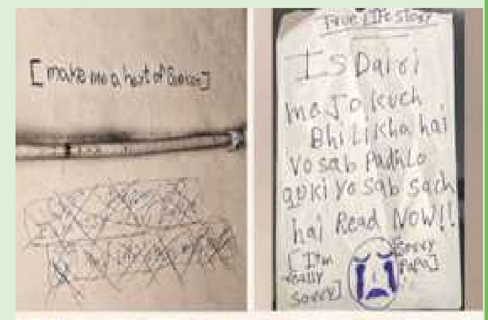

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

कम उम्र में शादी यानी जीवन की बर्बादी : बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत लोगो को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच / मुरादाबाद-डिलारी। कम उम्र में शादी यानी जीवन की बर्बादी- बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 07.02.2026 को जिला प्रोबेशन अधिकारी महोदय के निर्देशन में ग्राम पंचायत सियाली खददर, ग्राम मुस्तफाबाद, ग्राम इस्लामनगर, ग्राम चटकाली, ग्राम सलेम सराय, डिलारी जिला मुरादाबाद में बाल विवाह मुक्त भारत के 100 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं, पुरुष और बच्चों को बाल विवाह से होने वाले समस्याओ के बारे में बताया गया, बाल विवाह करना या करवाना संज्ञेय और गैर जमानती अपराध है इसी कारण सरकार ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियमट्ठ 2006 का प्रावधान किया है। कार्यक्रम में तनीषा दिवाकर मनोसामाजिक परामर्शदाता , तथा शाहनवाज आलम सुपरवाइजर, केस वर्कर अरविंद शर्मा द्वारा बताया गया कि जिसमें बाल विवाह करने एवं कराने वाले सभी लोगों के लिए सजा का प्रावधान किया गया है। संविधान के अनुसार लड़की की शादी की आयु 18 वर्ष एवं लड़के का 21 वर्ष होना चाहिए। बाल विवाह होने पर,इसमें 2 वर्ष का कठोर कारावास और ?100000 का जुर्माना हो सकता है महिलाओं और बालिकाओं को बताया गया कि अगर आपके आसपास लड़के या लड़की का बाल विवाह हो रहा तो आप 1098 ,1090 ,181,112 पर कॉल करके जरूर सूचित करें आपका परिचय गोपनीय रखा जाएगा।आपके एक छोटे से प्रयास से किसी बालिका - का भविष्य अंधकारमय होने से बच जाएगा । बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत शपथ भी दिलवाई गई । कार्यक्रम में डिलारी थाने से सब इंस्पेक्टर एकता चौधरी, रविंद्र सिंह चालक और ग्राम प्रधान फिरोज सियाली खादर , ग्राम प्रधान बबलू सिंह आदि उपस्थित रहे।

62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के परिसर में एक जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अशोक कुमार, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, जनपद श्रावस्ती, अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, डॉ. अरुण मिश्रा, सचिव, रेडक्रॉस सोसाइटी एवं ग्राम प्रधान, हरिहरपुररानी की गरिमामयी उपस्थिति में क्षेत्र के जरूरतमंद एवं निर्धन ग्रामीणों को कंबलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा सशस्त्र सीमा बल द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं मानवीय कार्यों की सराहना की गई तथा ऐसे कार्यक्रमों को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताया गया। कमांडेंट द्वारा अपने संबोधन में कहा गया कि सशस्त्र सीमा बल सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करता है।कार्यक्रम में 62वीं वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवानों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को राहत प्रदान करना एवं जन-बल के बीच आपसी सहयोग एवं विश्वास को सुदृढ़ करना रहा।

62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, भिनगा में वरिष्ठ आरक्षी सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के नेतृत्व में वरिष्ठ आरक्षी सम्मान समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर कमांडेंट वरुण एवं वाहिनी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा चयनित वरिष्ठ आरक्षी (Senior constable) को प्रतीक चिन्ह (Chevron) लगाकर सम्मानित किया गया।कमांडेंट वरुण ने जवानों को बधाई देते हुए कहा कि ये केवल सम्मान नहीं बल्कि अधिक जिम्मेदारी, अनुशासन एवं नेतृत्व का प्रतीक है। महोदय ने सभी जवानों को कर्तव्यनिष्ठा ईमानदारी और समर्पण के साथ राष्ट्र सेवा करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि वरिष्ठ आरक्षी कार्मिक नए एवं युवा कार्मिकों के लिए आदर्श एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर, उप कमांडेंट श्री सोनू कुमार, गोबर्धन पुजारी, सहायक कमांडेंट अमित शर्मा, डॉ. कल्पना महादेव पाटिल, सहित अन्य अधीनस्थ अधिकारीगण एवं बल के अनेक कार्मिक उपस्थित रहे। समारोह सौहार्दपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ, जिससे बल कार्मिकों के मनोबल में वृद्धि हुई तथा आपसी समन्वय और प्रेरणा को बल मिला। इस प्रकार के आयोजनों से बल में सकारात्मक कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है।

एनडीपीएस एक्ट पर विदिशा पुलिस का हाइब्रिड प्रशिक्षण दो सत्रों में संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी /विदिशा-वरिष्ठ अधिकारियों ने साझा किया कानूनी व व्यावहारिक अनुभव पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल (देहात) एवं पुलिस उप महानिरीक्षक, भोपाल (ग्रामीण) रेंज के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे की गरिमामयी उपस्थिति में पुलिस कंट्रोल रूम, विदिशा में एनडीपीएस एक्ट से संबंधित हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन/ऑफलाइन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ, जिसका उद्देश्य जिले में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कानूनी ज्ञान, विवेचना दक्षता एवं व्यावहारिक कार्यकुशलता को और अधिक सुदृढ़ करना रहा, ताकि एनडीपीएस से जुड़े प्रकरणों में सटीक, प्रभावी एवं विधि-सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रशिक्षण के दौरान एनडीपीएस एक्ट की बारीकियों एवं उनकी विवेचना के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही मादक पदार्थ जैसे गांजा, अफीम, भांग, स्मैक, ब्राउन शुगर आदि की बरामदगी के दौरान अपनाई जाने वाली कानूनी प्रक्रियाओं पर विशेष चर्चा की गई। जप्ती की कार्रवाई के समय पंचनामा, सैंपलिंग, सीलिंग एवं दस्तावेजी प्रक्रिया में बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों को भी विस्तार से समझाया गया। प्रथम सत्र में P.I.T. - NDPS Act विषय पर एनडीपीएस अधिनियम की प्रमुख धाराओं, वैधानिक प्रावधानों, जप्ती-गिरफ्तारी की प्रक्रिया तथा विवेचना से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। द्वितीय सत्र में एनडीपीएस प्रकरणों में आरोपियों के फाइनल बाउंड ओवर एवं आगे की न्यायिक कार्यवाही से संबंधित व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण देने वाले अधिकारी- प्रशिक्षण के दौरान शासकीय अभियोजक श्री राघवेंद्र सिंह राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक श्री अतुल कुमार सिंह, रीडर टू पुलिस अधीक्षक श्रीमन नारायण चतुर्वेदी तथा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री आनंद राज द्वारा अपने-अपने विषयों पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कानूनी एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न थानों से 25 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी ऑफलाइन माध्यम से पुलिस कंट्रोल रूम, विदिशा में उपस्थित रहे, जबकि लगभग 35 पुलिसकर्मियों ने ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत प्रकरणों में संवेदनशीलता, सतर्कता एवं कानून के अनुरूप प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। विदिशा पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर नशा तस्करी एवं अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध अभियान को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

बरेली में सरकारी जमीन पर बनाई गई मस्जिद पर चला बुलडोजर, एक घंटे में जमींदोज हुआ अवैध निर्माण

बरेली के सदर प्रशासन की टीम ने शनिवार को पिपरिया गांव में बुलडोजर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। यहां सरकारी जमीन पर कब्जा कर बनाई गई मस्जिद को जमींदोज कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा।बरेली के से निर्मित मस्जिद पर सदर तहसील की टीम में मस्जिद को जमीदोंज कर दिया गया है। जानकारी देते हुए बताया कि यह मस्जिद राजस्व सरकारी बंजर भूमि पर बनी हुई थी। इस जमीन प्रशासन ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट के सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त करा लिया गया के बाद हुई कार्रवाई एसडीएम प्रमोद कुमार के साल 2008 से ही चल रहा था। सबसे पहले मानते हुए बेदखली के आदेश पारित किए थे। कोर्ट गया, लेकिन वहां से भी उन्हें कोई राहत दिया गया। जैसे ही अदालत की बाधाएं दूर की मौजूदगी में ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू

भोजीपुरा स्थित पिपरिया गांव में अवैध रूप ने शनिवार को बुलडोजर चलाया। इस कार्रवाई एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने मामले की अभिलेखों में गाटा 1474 पर श्रेणी-5 की पर अवैध निर्माण कर कब्जा किया गया था। आदेशानुसार, इस अवैध ढांचे को ध्वस्त कर है।18 साल लंबी चली कानूनी जंग, बेदखली अनुसार, इस भूमि को लेकर का ूनी विवाद तहसीलदार कोर्ट ने इस निर्माण को अवैध इसके बाद दूसरा पक्ष राहत के लिए सिविल नहीं मिली और उनका मुकदमा खारिज कर हुईं, प्रशासन ने भारी पुलिस बल और पीएसी कर दी।कब्जा करने वालों पर लगा जुर्माना, 300 वर्गगज जमीन हुई मुक्त -कार्रवाई के दौरान एसडीएम ने बताया कि बेदखली की प्रक्रिया के तहत कब्जा करने वाले पक्ष पर जुर्माना भी लगाया गया था, जिसे उन्होंने पहले ही जमा करा लिया था। करीब 300 वर्गगज में बनी मस्जिद को गिराने के दौरान गांव में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। कई थानों की फोर्स और पीएसी के जवानों ने पूरे इलाके को घेरे रखा। अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सरकारी जमीनों पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्रवाई के बाद मलबे को हटाया गया - सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद को जमींदोज करने के बाद उसके मलबे को भी बुलडोजर से हटाया गया। मलबे को ट्रालियों में भरकर ले जाया गया। ये जो मस्जिद थी, इस पर टीन शेड डाला गया था। करीब 12 बजे शुरू हुई बुलडोजर की कार्रवाई में एक घंटे में अंदर पूरा अवैध निर्माण जमीदोंज हो गया।

संक्षिप्त समाचार

जंगल में पेड़ पर फंदे से लटकता मिला युवक का शव, तीन दिन से संदिग्ध परिस्थितियों में घर से था लापता

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल श्रावस्ती कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत अंटा तिराहे के पास स्थित जंगल में तीन दिन से संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता युवक का शव पेड़ पर फंदे से झूलता मिला घटना की सूचना मिलते ही भारी भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली भिनगा पुलिस ने शव को फंदे से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया मौके पर पहुंची फोरेनसिक टीम ने आवश्यक साक्ष्य संकलन किए। मृतक की पहचान अखिलेश कुमार उर्फ रामू (28 वर्ष) पुत्र गामा निवासी नई बाजार भिनगा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार युवक तीन दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गया था उसके बाद से ही परिजन और पुलिस उसकी तलाश में जुटे थे। भिनगा वन रेंज के जंगल क्षेत्र में एक पेड़ पर फंदे से लटका मिला सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया साथ ही फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से परिजनों में मातम मचा है। पूरे मामले में पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इलाके में घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं जबकि पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

विकसित भारत की जी-राम-जी योजना से हर हाथ को मिलेगा रोजगार – नेहा यादव

विभागीय बैठक में ग्रामीण विकास और 125 दिन के रोजगार पर दिया गया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पोहरी महाविद्यालय प्रांगण में गुरुवार को विकसित भारत जी-राम-जी योजना को लेकर सभी विभाग प्रमुखों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव मुख्य अतिथि तथा पूर्व राज्यमंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में जनपद अध्यक्ष रामकली आदिवासी, मंडल अध्यक्ष आशुतोष जैमिनी, जनपद उपाध्यक्ष मुन्नालाल रावत, विधानसभा संयोजक विक्की मंगल, जनपद सीईओ ऑफिसर सिंह गुर्जर, बीएमओ डॉ. दीक्षांत गुधेनिया सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, पंच-सरपंच एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ने कहा कि जी-राम-जी योजना गांवों के समग्र विकास के साथ प्रत्येक परिवार को 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराने का मजबूत संकल्प है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों की दशा और दिशा में सकारात्मक बदलाव आएगा। ग्राम सभाओं में तय किए गए एजेंडे के अनुसार कार्य कर ग्रामों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य वक्ता पूर्व राज्यमंत्री सुरेश धाकड़ राठखेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री के 卐हर हाथ को रोजगार卐 के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। ग्राम विकास को और गति देने के लिए योजना में आवश्यक संशोधन किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक विकास कार्यों को शामिल कर ग्रामीण प्रगति को सशक्त बनाया जा सके। बैठक में अधिकारियों को योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, आपसी समन्वय और समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

It's not the food on your plate, but the way you eat that invites cancer! Doctor makes shocking revelation

Cancer is a deadly disease worldwide. People often focus only on diet, but according to new research and a doctor, your eating habits can also increase your risk of cancer. Dr. Sajjan Rajpurohit of Medanta Hospital explained that habits like eating quickly, overeating, and eating at odd times can lead to obesity and internal inflammation, inviting cancer. Prevention is possible by eating properly. Eating too quickly can cause obesity and cancer. Eating beyond your hunger increases inflammation in the body. Eating at odd times disrupts the body's natural clock. Cancer is claiming many lives worldwide. It is a deadly disease, often diagnosed late and sometimes leading to death. Therefore, World Cancer Day is celebrated every year on February 4th to raise awareness about it. Although cancer is a fatal disease, it is possible to prevent it if certain things are taken into account. You may have often heard that to prevent cancer, you should eat green vegetables and avoid junk food. However, new research shows that along with what you eat, how you eat is also very important. To learn more about the connection between eating habits and cancer, we spoke with Dr. Sajjan Rajpurohit, Director and Head of Medical Oncology at Medanta Hospital, Noida. He explained that not only our diet, but also our poor eating habits can unknowingly increase the risk of cancer. He listed three eating habits you should correct today: Eating too quickly - When we eat too quickly without chewing properly, it takes longer for our brain to receive the signal that we are full. This results in us overeating. This leads to weight gain and obesity, which is considered a major cause of many types of cancer, including stomach, intestinal, and uterine cancer. Eating quickly also increases blood sugar levels rapidly, which is not good for the body. Eating more than required - Eating more than required causes fat to accumulate in the body, especially around the stomach. This excess fat releases harmful chemicals that cause internal inflammation. This prolonged inflammation damages body cells, increasing the risk of cancer. Eating at odd hours - Our body has its own body clock, which handles digestion and repair. When we eat at odd hours, this system gets disrupted. This prevents the body from repairing itself properly, increasing the risk of disease. What is the correct way to eat? Eat slowly and chew your food thoroughly. Stop as soon as you feel full. Set a fixed time for eating every day.

Does an ovarian cyst necessarily mean cancer? Doctors dispel 5 myths about this disease.

Ovarian cancer cases are now increasing even among younger women, primarily due to late detection of symptoms and misconceptions surrounding it. This cancer can occur at any age, not just in women over 50, and there is a risk even if there is no family history. Ovarian cancer is often not detected early. Late detection delays treatment. Myths surrounding ovarian cancer make treatment difficult. Ovarian cancer cases are now increasing rapidly even among younger women. This is primarily due to the late onset of symptoms. Furthermore, many misconceptions about ovarian cancer have taken root in people's minds, hindering proper treatment and prevention. So, on the occasion of World Cancer Day, we spoke with Dr. Madhulika Singh (Senior Consultant Obstetrician and Gynecologist, Ankur Hospital, Pune) to debunk some myths related to ovarian cancer. Let's find out what the doctor has to say about it. Myth 1: Ovarian cancer only affects women over 50. Truth: This is a common misconception. Although it's more common in women 50 and older, it can occur at any age. Women with a family history should be especially vigilant and get regular screenings. Myth 2: Only women with a family history are at risk. Truth: Although family history increases the risk, most women with ovarian cancer have no previous family history. Gene mutations like BRCA1 and BRCA2 can also cause it. Therefore, it's important for all women to be aware of the symptoms and get regular screenings. Myth 3 - A Pap smear test can detect ovarian cancer. Truth - This is a big misconception. A Pap smear test is used to detect cervical cancer, not ovarian cancer. Experts may recommend a transvaginal ultrasound and a CA-125 blood test to diagnose ovarian cancer. However, these tests are not for routine screening, but for women who have symptoms or are at high risk. Myth 4 - An ovarian cyst is cancer. Truth - Ovarian cysts and ovarian cancer are two different things. Most cysts are benign, i.e., non-cancerous, and can be cured without treatment. If a cyst is large, doctors examine it to rule out the possibility of cancer. Not every lump is dangerous, so it's best to consult a doctor instead of panicking. Myth 5 - Ovarian cancer means the end of life. Truth - Advances in medical science have improved the treatment of this disease. If detected early and treated appropriately, a woman's quality of life can be improved. Timely medical advice and intervention are crucial for recovery. Never ignore these symptoms. If you experience any of these symptoms persistently, consult a doctor immediately: Persistent bloating in the abdomen Pelvic or lower abdominal pain Feeling full quickly or changes in eating habits Frequent urination Sudden and unexplained changes in weight Fatigue, back pain, or changes in menstrual cycle

A toothache doesn't always mean a cavity! These reasons may lie behind it.

Toothache can often be caused by other problems. Therefore, identifying other causes before visiting the dentist can make it easier to get the right treatment at the right time. Toothache isn't always a dental problem. Nerves, sinuses, and jaws can also be causes of pain. If pain persists after treatment, see a doctor. When we experience toothache, the first thing we see is a cavity, infection, or gum problem. But when the dentist says your teeth are perfectly fine, what's causing the toothache? This can be both worry and surprise. Yes, sometimes toothache isn't necessarily just tooth-related. It could also be a problem related to nerves, sinuses, or jaws. Understanding this distinction can help guide us to the right specialist. Let's understand this difference in pain. Toothache is like this: Toothache usually comes and goes. If the pain is due to a tooth, it's felt worse when eating something hot or cold, or chewing something. Swelling and redness are visible on the gums. Toothache can also occur due to decay or cracks in the teeth. These problems often resolve after consulting a dentist. Toothache can be caused by the following: Nerves: Trigeminal neuralgia is a nerve-related problem that can sometimes cause toothache. It causes sudden, severe pain. Sinuses and nose: The roots of the upper teeth are very close to the sinus cavity. Toothache can be felt with a sinus infection or chronic sinusitis. Jaw and joints: In TMJ disorder, the pain radiates to the teeth. This is the joint that connects the lower part of your jaw to the skull. It allows us to move our mouth. Teeth grinding, jaw movement, or pressure can worsen the discomfort of TMJ disorder. Toothache can also be caused by: Ear infections, cluster headaches, or heart-related conditions. See a doctor in case of pain. Pain persists after dental treatment. Burning or pressure in the gums. Pain extends to other parts of the face. Activities like touching, speaking, or brushing the teeth cause pain. Headaches persist. Pain begins suddenly and the intensity of the pain increases.

After 27 years, Kalpana Iyer reveals the real reason for leaving Bollywood.

Veteran actress Kalpana Iyer has revealed the reason for leaving Bollywood 27 years ago. She recently made headlines after her viral dance to the song "Ramba Ho." In an interview, she
said that she wasn't part of any group in
was getting. Now, she aspires to make a
leaving Bollywood after 27 years. She
stayed away from groups. The actress
video of 70-year-old actress Kalpana Iyer
a powerful dance to her OG song,
name back into the limelight. Meanwhile,
she abruptly said goodbye to Bollywood
recent interview with India Today,
from Bollywood, saying, "I wasn't part
and I wasn't really happy with the kind
myself active in this field? Things were
secretaries came in. But I always did my
groups started forming, and I stayed
return, Iyer said, "I don't live so far from
Mumbaikars are settled here (in Dubai).
someone, you will. I'm not looking for
aware person, you'll know about my
that Kalpana Iyer's last appearance on

the industry and wasn't happy with the work she
comeback. Kalpana Iyer revealed the reason for
was unhappy with the work she was getting and
said, "If you want to contact me, you can." A dance
recently went viral, in which she was seen performing
"Ramba Ho." This video has brought Kalpana's
during a media interview, Kalpana Iyer revealed why
27 years ago. This is why she left Bollywood: In a
Kalpana Iyer opened up about her sudden departure
of any group, either in the industry or on television,
of work I was getting. So, how was it right to keep
changing rapidly. Casting agents, managers, and
own work, or my mother and sister managed it. Then
away from them." Furthermore, regarding her
Mumbai that no one can contact me. Most
I've always believed that if you want to contact
someone to tell someone else to sign me. If you're an
existence." Kalpana Iyer's last film: It's worth noting
the big screen as an actress was in the film Dil Hi Dil,
released in 1999. Prior to this, Kalpana starred in films like Anjaam, Satte Pe Satta, Disco Dancer, Zameen Aasman, Khuddar, Zakhmi, Tum Mere Ho, and Hum Saath Saath Hain. She was also well-received as Kajri in Raja Hindustani's Pardesi Pardesi. It's worth noting that Kalpana also showcased her acting prowess in the TV serial Chandrakanta.

The suspense of this 2-hour, 19-minute film will make you forget 'Drishyam', and the climax will unravel your thoughts. Available on OTT platforms.

Suspense thriller films are in high demand on OTT platforms. Most people search for films in this genre on Netflix and Prime Video. Today, we're telling you about one such powerful film,
released three years ago, which boasts a
OTT platform you can watch the film:
second. If you sit down to watch this film,
OTT platform can you watch it? There
etched in your mind for years. Especially
viewers. We often look for similar films on
it comes to suspenseful thrillers and
"Drishyam" and Vijay Sethupathi's
a film that's packed with suspense and a
friends. So, what are you waiting for? Let's
platform you can watch it on. What's the
19-minute film, it will initially seem a bit
and niece. However, as you progress, you'll
disappearance of innocent girls, who are
revolves around how a man lures girls
not only makes them disappear, but also
is heartbreaking. Meanwhile, some people
his sister-in-law to distance herself from

powerful suspense and climax. Read on for details on which
This suspense-filled film won't let you get bored even for a
you'll forget 'Drishyam' and 'Maharaja' - when and on which
are some films that, once you watch them, their story remains
suspense thriller films, which are a favorite genre for most
OTT platforms like Netflix and Amazon Prime Video. When
impressive climaxes, the first things that come to mind are
"Maharaja." However, today we're going to tell you about
climax so captivating that you'll surely recommend it to your
quickly explain how the film's story unfolds and which OTT
story of this suspenseful film? When you start the 2-hour-
simple, depicting the strong relationship between an uncle
feel unstoppable. The film's story revolves around the
ignored by neither the police nor the villagers. The film
walking on the streets and then suddenly disappears. He
rapes them and burns them alive in the fields. His brutality
falsely accuse the uncle of raping a friend's daughter, leading
him. One day, the uncle, who drops his daughter to school
every day, refuses to let his niece go, and she suddenly goes missing. The story's true suspense begins here, as the uncle goes to great lengths to find his beloved daughter. The film's ending isn't exactly happy. The real highlight is the climax. This suspenseful film is titled "Chittha." How will the story keep you captivated? If you're thinking the story is simple, it's not. Watching this two-hour film, you'll likely find out that many people are criminals, but you'll find out who's committing the crime at the end. "Rang De Basanti" star Siddharth plays the lead role, opposite Nimisha Sajayan. The child actor in the film is played by Saharsha Shree. Which OTT platform can you enjoy "Chittha" on? Released in 2023, "Chittha" received rave reviews from both audiences and critics. If you haven't seen the film yet, you can watch it on the OTT platform Jio Hotstar. IMDb rated the film 8.2. You can also find the film in Hindi on Jio Hotstar.

Ranbir Kapoor's Animal Park will be even more dangerous, with a full update on everything from the shooting to the story.

Ranbir Kapoor's film "Animal" set numerous box office records in 2023. Now, after two years, the film is set to be released in Japan. During the screening, director Sandeep Reddy Vanga
also provided an update on when
Park," will begin and how the
provided an update on the
gave fans a hint about the story.
well. Released in 2023, Ranbir
box office. Shedding his romantic
ferocious avatar in the movie.
a brief glimpse that he would be
"Animal Park." Ranbir
in the theatres, is now going to
Reddy Vanga reached Japan
an update on his film 'Animal
will start and how the story will
'Animal Park' go on the floor?
longer to see this action-packed
an NDTV report, Sandeep
"Shooting for 'Animal Park' will
It will feature many animals. It's
alike, so that's why I thought
Currently, our plan is to start
Ranbir Kapoor is excited to play

shooting for the next installment, "Animal
story will unfold. Sandeep Reddy Vanga
shooting of "Animal Park." The director also
"Animal" is set to create a stir in Japan as
Kapoor's "Animal" created a sensation at the
image, Ranbir appeared in a raw and
Director Sandeep Reddy Vanga hinted with
bringing a sequel to the action drama,
Kapoor's film 'Animal', which created a stir
be released in Japan after two years. Sandeep
before the release and Ranbir Kapoor gave
Park' and told when the shooting of the film
take a turn. When will Ranbir Kapoor's film
The audience will have to wait for a little
film of Sandeep Reddy Vanga. According to
Reddy Vanga said about "Animal Park,"
begin as soon as my current film is completed.
a war between two brothers who both look
'Animal Park' was the best title for the film.
shooting for 'Animal Park' in mid-2027."
a double character. In addition to Sandeep
Reddy Vanga, Ranbir Kapoor also talked about the progress of the film's sequel, "Animal Park," saying, "I can't wait to return to set with Sandeep and play this character. I get to play another character in it, as it's a continuation of the story. Sandeep had the idea of ??making a second part of the film in mind since we were shooting the first part of 'Animal.'" Talking about the creative collaboration with Sandeep Reddy Vanga, Ranbir Kapoor said, "As an actor, this is very exciting and inspiring for me. Sandeep and I have been chatting for months and weeks, sharing different ideas. I can't wait to play Ranvijay and Aziz." When will 'Animal' release in Japan? Ranbir Kapoor and Rashmika Mandanna starrer 'Animal' is releasing in Japan on February 13, 2026. The premiere of this film in Japan is a very emotional and proud moment for Ranbir Kapoor. His grandfather Raj Kapoor had a huge fan following in Japan during his time. Even today, Japanese fans remember him for the films 'Awara' and 'Shri 420', which were appreciated in Japan at that time.